महिला किसान के सफलता की कहानी

कृभाक का नाम	: श्रीमति मालती सोरेन
पति का नाम	: विराम सोरेन
ग्राम	: झरिया
पंचायत	: भाटिन
प्रखण्ड	: पोटका
जिला	: पूर्वी सिंहभूम
मोबाइल नं0	: 6200330353
शैक्षणिक योग्यता	: 9वीं पास

मालती सोरेन अपने गाँव में पहचाने जाने वाली प्रगतिशील महिला किसान है। इसके पास करीब 3 एकड़ जमीन है इसका पूरा परिवार खेती पर ही निर्भर है। पूर्वजों से जिस विधि से ये लोग खेती करते रहे थे उसमें परिवार का जीवन–यापन हो पाता रहा था। परिवार के अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति नगद लाभ नहीं होने से गुजारा मुश्किल हो जाता क्योंकि मालती को कृषि की व्यवासयिक खेती एवं नई तकनीक से खेती की जानकारी नहीं थी। जिस कारण आमदनी कम होती थी जो परिवार चलाने एवं बच्चों के पढ़ाई आदि के लिए काफी नहीं था। इसके परिवार के पास आय का ओर कोई दूसरा स्रोत भी नहीं था।

मालती की शादी 7 वर्ष पूर्व हो गई थी तब नौवीं तक ही पढ़ाई कर पायी। शादी के पूर्व इन्हें बाहरी कार्य जैसे खेती–किसानी, मेहनत–मजदूरी करने नहीं आता था।

इनके सास–ससुर का देखभाल एवं जिम्मेदारी मालती के उपर ही था। शादी के बाद 2016 से खेती–बाड़ी के कार्यों में अपने पति को मदद करने लगी।

मालती बताती है वर्ष 2017 में पंचायत भवन परिसर में कृषि मेला का आयोजन हुआ था जहाँ मेला में भ्रमण के दरम्यान आत्मा के स्टॉल में आकर अपना परिचय दियें। खेती–बाड़ी खासकर सब्जी की व्यवसायिक सब्जी की खेती करने के बारे में जानकारी लेना चाहती थी।

आत्मा के प्रसार कर्मी ने उन्हें कृषि संबंधी अधिक जानकारी के लिए आत्मा द्वारा आयोजित किये जाने वाले समय–समय पर कृषक गोष्ठी एवं प्रशिक्षण आदि में भाग लेने का सुझाव दिया।

इसके बाद वर्ष 2018 में आत्मा के सौजन्य से तीन दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन पोटका प्रखण्ड में किया गया था जिसमें खरीफ मौसम में धान एवं दलहन की खेती विषय पर मालती सोरेन ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

इसके बाद से मालती सोरेन अपने पति को नई तकनीकों का उपयोग जैसे श्रीविधि से धान की खेती करने को प्रोत्साहित किए। पहले वर्ष 2019 में आधे एकड़ जमीन में प्रयोग के तौर पर श्रीविधि लाईन सोईंग से धान की खेती की । करीब 35 डीसमिल जमीन में लाईन सोईंग विधि से अरहर भी लगाई। अरहर की खेती से मालती को लगभग 900 किलोग्राम उपज हुआ जिससे 40,000/– रूपये की आमदनी हुई ।

आत्मा के द्वारा समय–समय पर मार्गदर्शन एवं सुझाव मिलने से मालती श्रीविधि से किए गए आधे एकड़ खेत में धान के बिचड़ा डालने से लेकर धान झाड़ने तक का कार्य परिवार के बाकी सदस्यो के साथ मिलकर की है। इस वर्ष मालती ने आधा एकड़ में लाईन सोईंग तथा डेढ़ एकड़ में पुरानी पद्धति से खेती की।

वर्ष 2019 में आत्मा पूर्वी सिंहभूम द्वारा स्किल ट्रेनिंग ऑफ रूरल युथ (STRY) प्रशिक्षण का आयोजन किया गया था जिसमें मालती को भाग लेने का मौका मिला । 7 दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान वर्मी कम्पोस्ट के बेड का निर्माण, कम्पोस्ट उत्पादन के सभी पहलुओं पर विस्तृत रूप से जानकारी हासिल की। वर्त्तमान में चार वर्मी बेड पर कम्पोस्ट बना रही है। आने वाले समय में व्यावसायिक स्तर पर 20 बेड पर उत्पादन करने की सोची है।

प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद गाँव में अपने अन्य साथियों को तथा प्रकाश महिला समूह (जिसमें मालती स्वयं भी जुड़ी है) के सदस्यों को भी वर्मी कम्पोस्ट के बारे में बतायी। इसके पश्चात कम्पोस्ट बनाने का कार्य प्रारंभ किया। पहले–पहले थोड़ा दिक्कतों का सामना करना पड़ा परन्तु आत्मा के प्रसार कर्मी ने प्रोत्साहित किया जब भी कुछ दिक्कत हुई फोन के माध्यम से सलाह लेती रही। अभी वर्त्तमान में खुद के द्वारा तैयार किया गया वर्मी कम्पोस्ट से बैगन, बरबटी आदि की खेती की है जो अभी मालती के खेतों में देखी जा रही है।

अपने खेतों में वर्मी कम्पोस्ट का प्रयोग करने के साथ–साथ गाँव के अन्य किसानों को भी इसका उपयोग करने हेतु प्रति किलो 40 रू0 की दर से बेच भी रही है जिससे सब्जी उत्पादन के साथ–साथ जैविक खाद से भी मालती सोरेन को अतिरिक्त आमदनी प्राप्त हो रही है।

580692
5.312596
8.69±103 m
9 m
2021 09:46

580664
5.312648
3.8±108 m
9 m
2021 09:43

581166
5.312901
6.98±106 m
9 m
2021 09:53

580705
5.312666
3.69±108 m
9 m
2021 09:47